भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 146
दिनांक 1 दिसम्बर 2025

इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का प्रभाव

146 **श्री मल्लिकार्जुन खरगे:**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री*** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत ने ई20 इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को ई20 ईंधन के कारण वाहनों की माइलेज में कमी, पुराने वाहनों की सीमित अनुकूलता तथा उपभोक्ताओं को न्यूनतम मूल्य लाभ मिलने संबंधी चिंताओं से अवगत है;

(ग) इन समस्याओं के समाधान हेतु क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं;

(घ) क्या उच्च मिश्रण स्तरों के बावजूद उपभोक्ताओं को न्यूनतम मूल्य लाभ प्राप्त हुआ है; यदि हाँ, तो इसके कारण क्या हैं;

(ङ) क्या इथेनॉल की कीमत में वृद्धि हुई है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या यह सच है कि ऐसी वृद्धि का सरकार को पूर्वानुमान था, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क): सरकार इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण को बढ़ावा दे रही है। राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति-2018, 2022 में यथासंशोधित, में अन्य बातों के साथ-साथ पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को वर्ष 2030 से पहले इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 (ईएसवाई - 1 नवंबर, 2025 से 31 अक्टूबर, 2026) कर दिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) ने जून 2022 में अर्थात ईएसवाई 2021-22 के दौरान लक्ष्य प्राप्ति करने के 5 माह पूर्व ही पेट्रोल में 10% इथेनॉल मिश्रण, ईएसवाई 2022-23 में 12.06% एवं ईएसवाई 2023-24 में 14.60% का लक्ष्य प्राप्त कर लिया। इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2024-25 के दौरान, 1000 करोड़ लीटर से अधिक इथेनॉल मिश्रित किया गया है, जिससे पेट्रोल में औसतन 19.24% इथेनॉल मिश्रण हासिल कर लिया है। अक्टूबर, 2025 के महीने में, 19.97% इथेनॉल मिश्रण हासिल कर लिया गया है।

ईबीपी कार्यक्रम के परिणामस्वरूप इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2014-15 से अक्टूबर 2025 तक किसानों को 1,36,300 करोड़ रुपये से अधिक का शीघ्र भुगतान हुआ है, इसके अलावा 1,55,000 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है, लगभग 790 लाख मीट्रिक टन शुद्ध सीओ2 में कमी आई है और 260 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का प्रतिस्थापन हुआ है।

(ख) से (च): नीति आयोग के अंतर्गत 26.12.2020 को गठित अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) ने, अन्य बातों के साथ-साथ, वाहन अनुकूलता और माइलेज के विभिन्न पहलुओं की जाँच की थी। इस आकलन को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), और सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) द्वारा किए गए शोध अध्ययनों का भी समर्थन प्राप्त था। ई20 ईंधन वाले वाहनों पर व्यापक क्षेत्र परीक्षणों से किसी भी अनुकूलता समस्या या ई20 के किसी भी नकारात्मक प्रभाव का संकेत नहीं मिला। इन अध्ययनों ने पुष्टि की है कि पुराने वाहन भी ई20 ईंधन से चलने पर कार्य-निष्पादन में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं दिखाते हैं, न ही उनमें असामान्य टूट-फूट दिखाई देती है। चलाने की योग्यता, स्टार्ट करने की क्षमता, धातु अनुकूलता और प्लास्टिक अनुकूलता जैसे मापदंडों में कोई समस्या नहीं बताई गई। केवल कुछ पुराने वाहनों के मामले में, कुछ रबर वाले भागों और गास्केट को गैर-मिश्रित ईंधन का उपयोग करने के पहले बदलने की आवश्यकता हो सकती है। यह प्रतिस्थापन सस्ता है और नियमित सर्विसिंग के दौरान आसानी से प्रबंधित किया जा सकता है। वाहन के जीवनकाल में इसे एक बार करने की आवश्यकता हो सकती है और यह एक सरल प्रक्रिया है जिसे किसी भी प्राधिकृत वर्कशॉप में किया जा सकता है।

ई20 ईंधन के उपयोग के कारण वाहनों के माइलेज की चिंता के संबंध में, सरकार द्वारा 12.8.2025 को जारी प्रेस विज्ञप्ति और सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स, ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया और फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (एआरएआई-एफआईपीआई-एसआईएएम) द्वारा 30.8.2025 को जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है कि वाहनों का माइलेज केवल ईंधन के प्रकार से परे कई अन्य कारकों से भी प्रभावित होता है। इनमें ड्राइविंग की आदतें, रखरखाव के तरीके, जैसे तेल बदलना और एयर फिल्टर की सफाई, टायर का दबाव और संरेखण, और यहाँ तक कि एयर कंडीशनिंग लोड भी शामिल हैं। ई10 वाहनों में दक्षता में गिरावट (यदि कोई हो) मामूली रही है। विनिर्माताओं के लिए वाहन 2009 से ही ई20 के अनुकूल रहे हैं।

इथेनॉल का अधिप्राप्ति मूल्य कई वर्षों से बढ़ रहा है। इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2024-25 के लिए इथेनॉल का औसत अधिप्राप्ति लागत 71.55 रुपए प्रति लीटर (परिवहन और जीएसटी को जोड़कर) रही है, जो रिफाइन्ड पेट्रोल की लागत से अधिक है।

एआरएआई, एफआईपीआई और एसआईएएम द्वारा 30.8.2025 को जारी संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, ई20 ईंधन का उपयोग बेहतर त्वरण, बेहतर सवारी गुणवत्ता और सबसे महत्वपूर्ण बात ई10 ईंधन की तुलना में कार्बन उत्सर्जन को लगभग 30% कम करता है। इथेनॉल की उच्च-ऑक्टेन संख्या, इथेनॉल-मिश्रित ईंधन को उच्च-ऑक्टेन आवश्यकताओं के लिए एक मूल्यवान विकल्प बनाती है, जो आधुनिक उच्च-संपीडन इंजनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ई20 के लिए अनुकूल वाहन बेहतर त्वरण प्रदान करते हैं जो शहरी ड्राइविंग परिस्थितियों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कारक है। इसके अतिरिक्त, इथेनॉल की उच्च वाष्पीकरण ऊष्मा, इनटेक मैनिफोल्ड तापमान को कम करती है, जिससे वायु-ईंधन मिश्रण घनत्व बढ़ता है और आयतन दक्षता में वृद्धि होती है।

*****